जादुई नाशपाती का पेड़

चीन की लोककथा

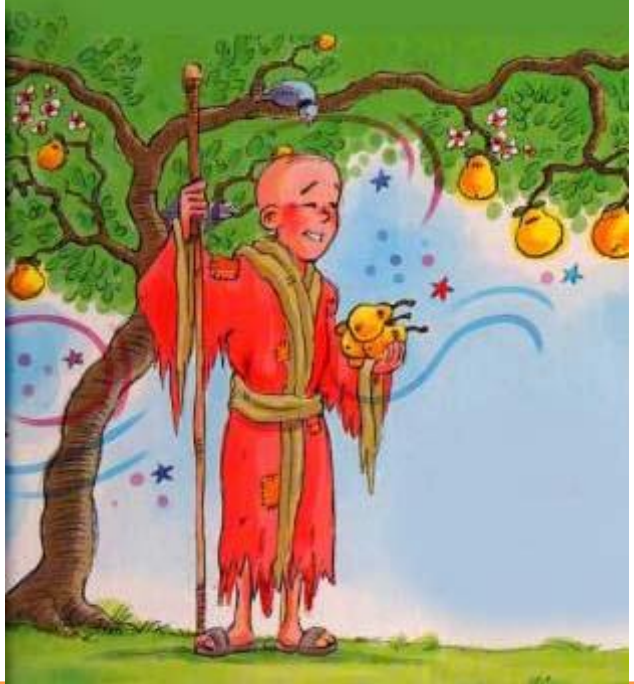

जादुई नाशपाती का पेड़

चीन की लोककथा

यह कहानी स्वार्थी शेन

एक दयालु महिला,

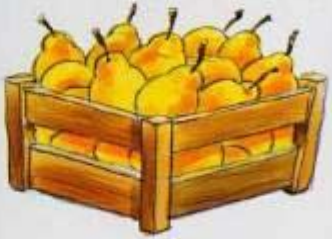

स्वादिष्ट नाशपाती,

एक भूखे भिखारी,

और थोड़े से जादू के बारे में है.

शेन एक छोटे से घर में रहता था.
उसका एक बड़ा बगीचा था.

बगीचे में एक पेड़ था.
पेड़ पर बेहद मीठी और सुनहरी
नाशपातियाँ उगती थीं.

शेन के लिए वो नाशपातियाँ बहुत सारी थीं.
लेकिन वो उन्हें और लोगों में बांटना नहीं चाहता था.

"मैं उन्हें बाजार में जाकर बेचूंगा," उसने सोचा.

फिर शेन ने नाशपातियों को एक लकड़ी
के बक्से में भरा और फिर वो बाजार गया.

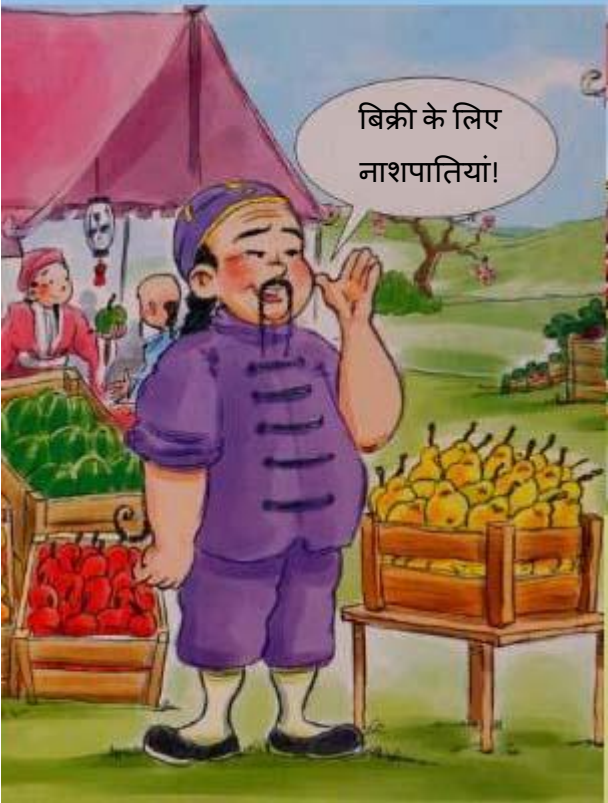

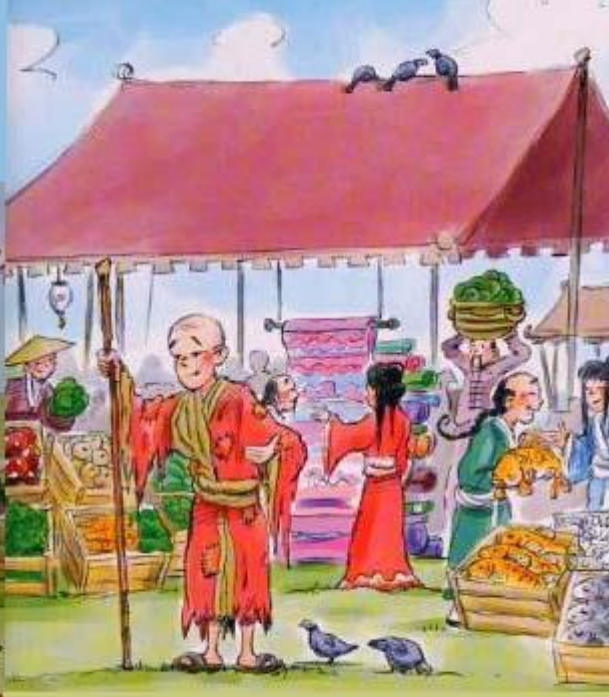

नाशपातियों को देखकर
एक भिखारी उसके पास आया.
"कृपया मुझे एक नाशपाती दे दो?"
उसने भीख मांगी.

क्या तुम्हारे पास पैसे हैं?"
शेन ने पूछा.

"मेरे पास एक भी पैसा नहीं है," भिखारी ने कहा.

"तो फिर यहाँ से जाओ!"
शेन चिल्लाया.

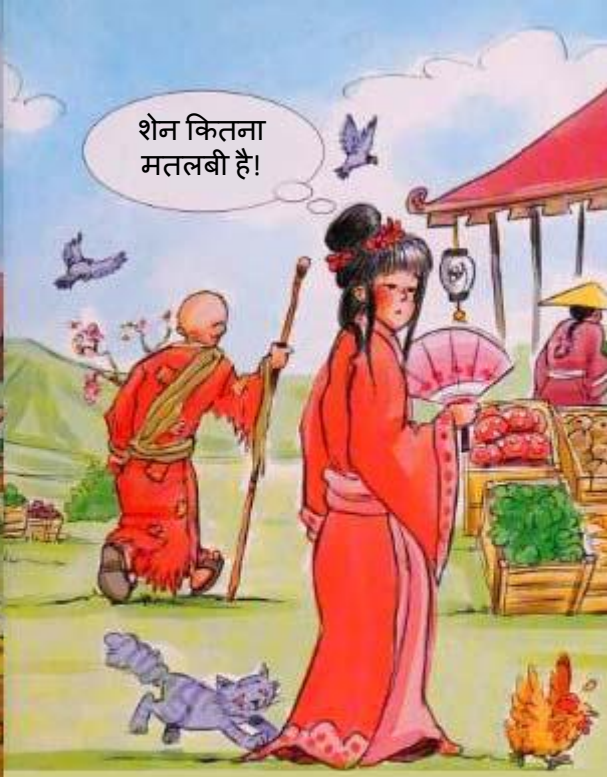

तभी एक दयालु महिला ने
शेन को चिल्लाते हुए सुना.

"क्या तुम एक नाशपाती तक नहीं दे सकते?"
महिला ने शेन से पूछा.

"वो आदमी भूखा है और तुम्हारे पास
ढेर सारी नाशपतियां हैं."

"नहीं!" शेन चिल्लाया.

"फिर मैं एक नाशपाती खरीदूंगी और खुद उस भिखारी को दूंगी," महिला ने कहा.

"धन्यवाद," भिखारी ने कहा.

भिखारी ने जल्दी से नाशपाती खा ली.

उसने नाशपाती के बीजों को थूक दिया.

"मीठी, स्वादिष्ट!" उसने खुशी से कहा.

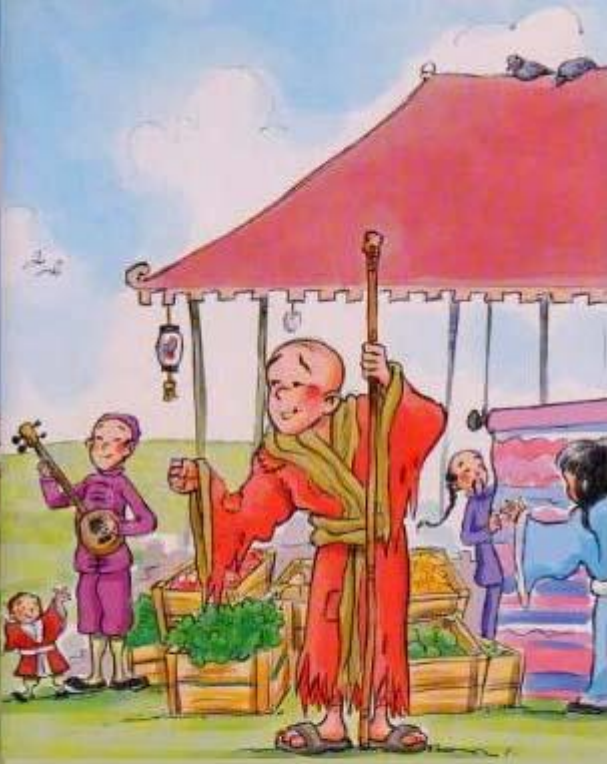

"अब, मेरी बारी आपको एक नाशपाती देने की है."

"अरे!" शेन चिल्लाया. "क्या तुम्हारे पास पैसे हैं?"

"नहीं," भिखारी ने कहा.

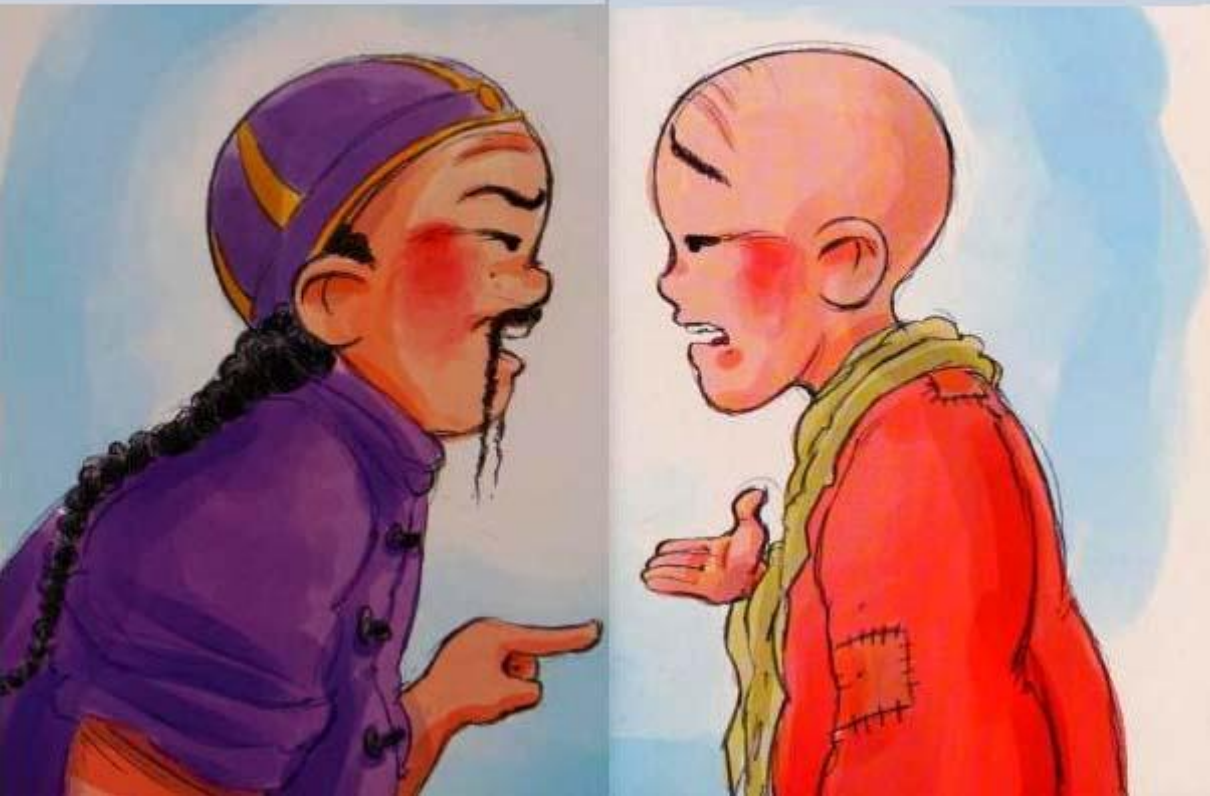

महिला ने अपना सिर हिलाकर पूछा.
"तुम्हें अब एक और नाशपाती कैसे मिलेगी?"

भिखारी मुस्कुराया.
"मैं अभी आपको दिखाऊंगा," उसने कहा.

भिखारी को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी.

भिखारी ने ज़मीन में एक छेद खोदा
और उसमें एक बीज गिरा दिया.

"क्या मुझे कुछ गर्म पानी मिल सकता है?"
उसने पूछा.

चाय की दुकानवाले ने उसे
एक चाय की केतली दे दी.

भिखारी ने छेद में गर्म चाय डाली ...

भीड़ ज़ोर से चिल्लाई.

"देखो, एक अंकुर!"

पौधा बढ़ता गया
और बढ़ता गया.

वो पौधा एक सुनहरी
नाशपाती का पेड़ बन गया.

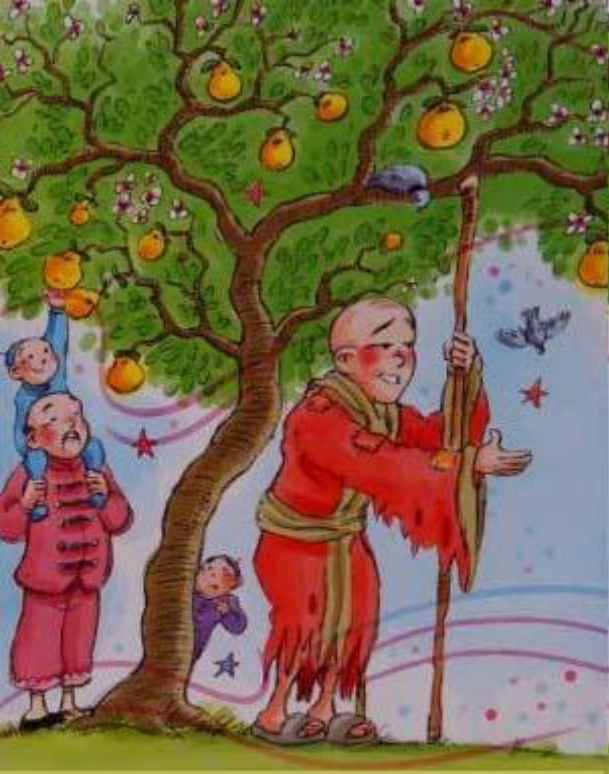

भिखारी ने उस पेड़ में से एक नाशपाती तोड़ी
और उसने महिला को दी.

"मीठी, स्वादिष्ट," महिला ने खुशी से कहा.

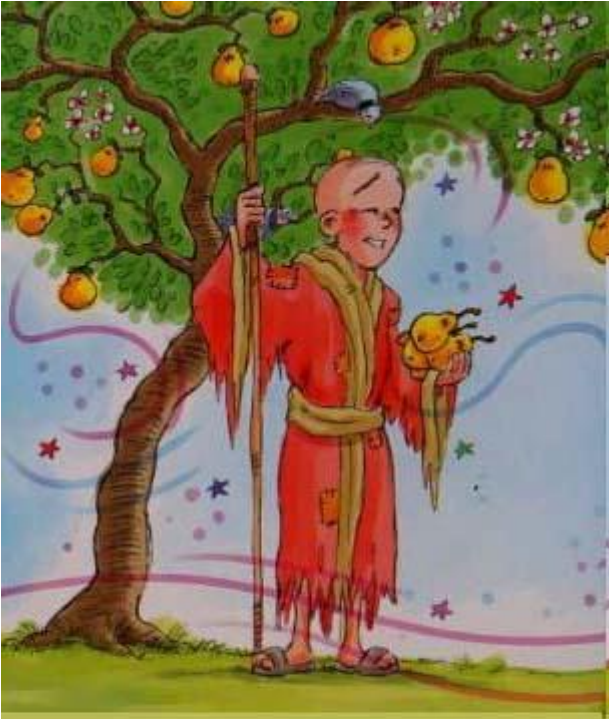

फिर भिखारी ने भीड़ की तरफ रुख किया.
"क्या आप में से कोई और नाशपाती चाहता है?"

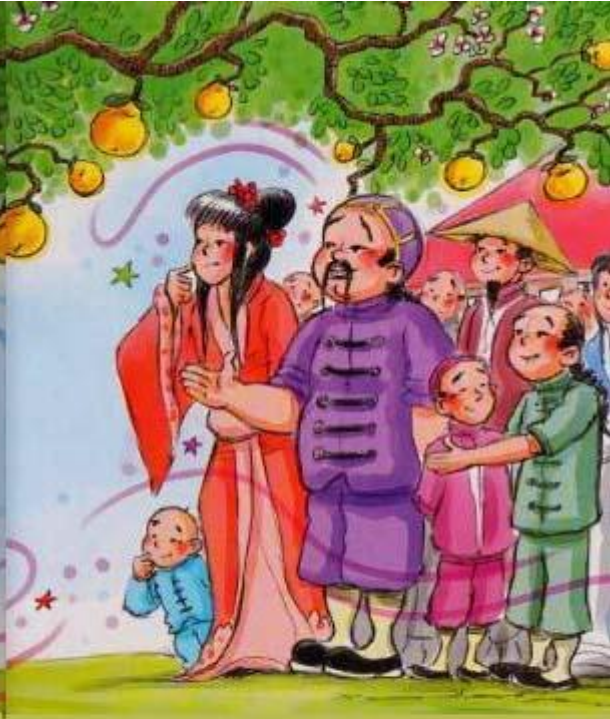

"मैं! मैं! मैं!" सभी लोग चिल्लाए.

फिर भिखारी ने नाशपाती के बाद नाशपाती तोड़ीं.
जल्द ही पेड़ पर कुछ नहीं बचा.

सभी को एक-एक नाशपाती मिली.
स्वार्थी शेन को भी.

अब कोई भी भिखारी को नहीं देख रहा था.

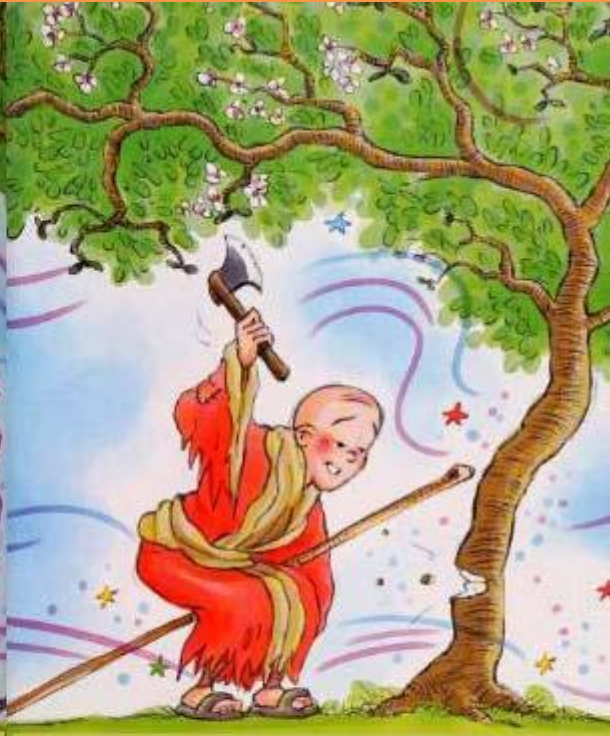

भिखारी ने पेड़ को काट दिया
और वो वहां से चला गया.

"अरे नहीं!"
अचानक, शेन ने चारों ओर देखा और चिल्लाया.

उसकी सारी नाशपातियां गायब हो चुकी थीं!
और उसके लकड़ी के बक्से के टुकड़े पड़े थे.

"वो एक चाल थी," शेन चिल्लाया.
"जिन नाशपातियों को भिखारी ने उठाया था
- वे सभी मेरी थीं!"

"भिखारी ने अपने जादू से मेरे बक्से को
एक पेड़ में बदल दिया था."

लेकिन भीड़ सिर्फ हंसती रही.

" शायद अगली बार तुम कम स्वार्थी होगे,"
भीड़ ने शेन से कहा.

समाप्त